पत्रिका
इंदौर, बुधवार 8 जुलाई, 2009

एनसीडीईएक्स		
सोयाबीन जुलाई	बंद	2362.00
सोया रिफा. तेल जुलाई	बंद	460.50

ल्यूगांग इंडिया संयंत्र का शुभारंभ आज

भारत में चीन का पहला निर्माण संयंत्र पीथमपुर में

इंदौर, कॉरपोरेट रिपोर्टर।
मेसर्स ल्यूगांग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की पीथमपुर स्थित हैवी अर्थ मूवर मशीन के निर्माण के लिए स्थापित उद्योग का शुभारंभ बुधवार 8 जुलाई को मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान के मुख्य आतिथ्य में होगा। मेसर्स ल्यूगांग इंडिया प्रा.लि. द्वारा पीथमपुर जिला धार में भूमि आवंटन के पशचात आठ महीनों में निर्माण कार्य पूर्ण कर उत्पादन प्रारंभ किया गया है। इस परियोजना में लगभग 175 करोड़ रुपए का पूंजी निवेश किया गया है तथा एक महीने में लगभग 250 कुशल एवं अकुशल व्यक्तियों को रोजगार प्राप्त होगा। निवेश के क्षेत्र में मध्यप्रदेश में यह पहली चीनी परियोजना है।

शुभारंभ अवसर पर इंदौर आए कंपनी के चेयरमैन वांग ताइपिंग ने बताया कि ल्यूगांग चीन की निर्माण कार्य मशीन निर्यातकर्ता कंपनी है, जिसका नेटवर्क लगभग 80 देशों में फैला है। कंपनी में 10000 कर्मचारी कार्यरत हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी की योजना 2012 तक भारत मे कंस्ट्रक्शन उपकरणों की पूरी रेंज उपलब्ध कराने की है। हमने भारत में आपना पहला कार्यालय वर्ष 2003 में नई दिल्ली में प्रारंभ किया और 2004 में पहला डीलर नियुक्त किया गया।

पीथमपुर संयंत्र के शुभारंभ अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री अरुण यादव, प्रदेश के उद्योग मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, भारत में चीन के राजदूत झांग यान, चीनी काउंसलर जनरल पेंग गांग, ल्यूजोसिटी के मेयर झेंग जुंकांग, गैंगसी राज्य के वाणिज्य मंत्रालय के संचालक ली शाऊ, वित्त समिति के निदेशक ली वांगफू, सर्वेयर ली क्वींगशेंग, सेक्रेटरी जनरल झियांग जुन प्रमुख रूप से उपस्थित रहेंगे।

पीथमपुर प्लांट में 70 प्रतिशत रोजगार में स्थानीय लोगों को प्राथमिकता दी जाएगी। यहां प्रतिवर्ष 2000 व्हील लोडर तथा करीब 1000 अन्य कंस्ट्रक्शन उपकरण बनाए जाएंगे। पीथमपुर प्लांट का कार्य लगभग तीन चरणों मे पूरा होगा और इस पर करीब 500 करोड़ रुपए का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश होगा। कंपनी को यहां से करीब 175 मिलियन डॉलर का कारोबार होने की उम्मीद है।

-वांग ताइपिंग, चेयरमैन, ल्यूगांग इंडिया प्रा.लि.

मंदी के दौर में भी भारत में विकास की अपार संभावनाओ को देखते हुए हमने यहां निवेश किया है। हम भारत के विकास को लेकर काफी कॉन्फिडेंट हैं। शिलान्यास से मात्र एक वर्ष की रिकॉर्ड अवधि में कई मुश्किलों के बावजूद प्लांट को प्रारंभ करना एक उपलब्धि है। भारतीय मित्रों की सहयोगी भूमिका से ही यह संभव हो सका। इस प्लांट में 1.5 से 6 टन तक के लोडर बनाए जाएंगे।

-लियांग वेईसेन
प्रबंध निदेशक, ल्यूगांग इंडिया प्रा.लि.

भारत में सरकार इन्फ्रास्ट्रक्चर पर भारी धन खर्च कर रही है। इसको देखते हुए हमारे लिए यहां काफी स्कोप है। हमारे लिए भारतीय बाजार में अपनी पहुंच बढ़ाने का यह बेहतर समय है। अपनी वैश्विक पहचान व पहुंच को बढ़ाने के लिए कंपनी ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील व नीदरलैंड में भी अपने प्लांट स्थापित करने जा रही है। भारतीय जरूरतों के मुताबिक अपने उत्पादों को ढालने के उदेश्य से कंपनी शीघ्र ही भारत में अपना आर एंड डी सैंटर बनाने जा रही है।

-झेंग ग्वांगन
अध्यक्ष, ग्वांगक्सी ल्यूगांग मशीनरी कं. लि.

भारत में कंस्ट्रक्शन उपकरणों की भारी मांग है। अभी भारत में हमारे 12 डीलर व कस्टमर सर्विस केंद्र हैं। पीथमपुर संयंत्र में उत्पादन प्रारंभ होने के साथ ही हम अपने नेटवर्क का विस्तार भी करेंगे। मध्यप्रदेश में इंदौर को छोड़कर एक डीलरशिप प्रारंभ होगी।

-सुनील सप्रु
डायरेक्टर, सेल्स एंड मार्केटिंग, ल्यूगांग इंडिया प्रा.लि.

चीनी प्रतिनिधिमंडल को प्रदेश के आर्थिक परिदृश्य से परिचित कराया

ल्यूगांग इंडिया के पीथमपुर संयंत्र के शुभारंभ अवसर पर चीन से आए प्रतिनिधियों को मध्यप्रदेश के औद्योगिक विकास के साथ यहां के सामाजिक, आर्थिक परिदृश्य से परिचित कराया गया। विदेशी अतिथियों की प्रदेश के प्रमुख उद्योगपतियों के साथ आमने-सामने की चर्चा भी हुई। बैठक में प्रमुख सचिव वाणिज्य एवं उद्योग सत्यप्रकाश, ट्रायफेक के प्रबंध संचालक प्रवीण गर्ग, औद्योगिक केंद्र विकास निगम इंदौर के प्रबंध संचालक नीरज मंडलोई विशेष रूप से मौजूद थे। चीन से आए ल्यूगांग समूह के अध्यक्ष क्वी वांग सहित अन्य प्रतिनिधियों को प्रमुख सचिव वाणिज्य तथा उद्योग सत्यप्रकाश व ट्रायफेक के प्रबंध संचालक प्रवीण गर्ग ने मध्यप्रदेश में औद्योगिक विकास की व्यापक संभावनाओ, प्रदेश की औद्योगिक नीति, यहां उपलब्ध तमाम सुविधाओ से अवगत कराया। प्रवीण गर्ग का कहना था कि प्रदेश सकारात्मक औद्योगिक नीति, उपलब्ध अधोसंरचना और प्रदेश शासन द्वारा राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इन्वेस्टर्स को निवेश के लिए प्रोत्साहित किए जाने का प्रतिफल है कि गत दो-ढाई साल में 88 बिलियन अमेरिकी डॉलर के एमओयू पर हस्ताक्षर हुए हैं। प्रमुख सचिव सत्यप्रकाश ने बताया कि बीना रिफाइनरी सहित सीमेंट, पॉवर आदि की बड़ी परियोजनाओं के प्रस्ताव भी प्रगति पर हैं। मध्यप्रदेश के उद्योग जगत ने भी प्रदेश की खुबियों का उल्लेख किया। पीथमपुर औद्योगिक संगठन के अध्यक्ष गौतम कोठारी सहित इंदौर, पीथमपुर, छिंदवाड़ा, कटनी, भोपाल आदि से आए औद्योगिक समूहों के प्रमुख तथा प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।